श्रमण संघ हो अविचल मंगल

शिव ध्यान धारा

वर्ष–4, अंक–1, अगस्त 2017, मूल्य रु. 20/–

ज्ञान महोदधि, जैन धर्म दिवाकर, आत्मा के राम
आचार्य सम्राट श्री आत्माराम जी महाराज एवं परम शुक्लात्मा पूज्य प्रवर्तक
श्रद्धेय श्री शुक्लचन्द जी महाराज की जन्म जयंती के शुभ–शुभ्र मंगलोत्सव
पर पूज्य आत्म–शुक्ल भगवन् के चरणों में शत–कोटि

नमनाञ्जलि–भावाञ्जलि!!

सांवत्सरिक क्षमापना

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ति मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणई।।

84 लाख जीव-योनियों के समस्त प्राणियों से

वाचिक - हार्दिक - आत्मिक सांवत्सरिक क्षमापना!

आप कौन हैं? आपका सत्य स्वरूप क्या है?

- अरिहंत आराधिका निशा जैन

1. आंखें बंद, मैं आत्मा, मैं आत्मा, मैं आत्मा हूँ। इसका चिंतन कीजिये। अन्ततः शान्त व शून्य हो जाइये, गहरे-गहरे। हर श्वास के साथ पुद्गलों की पकड़ को छोड़कर निज में निज को स्थित कीजिये।
2. देह से आत्मा को भिन्न करते जाइये। सर के सिरे से पांव के अंगूठे तक ये हड्डी, मांस, रक्त ये सब भिन्न हैं। आप आत्मा इन पुद्गलों से भिन्न हैं। गर्भ में आप आत्मा अकेले आये थे, तब यह देह भी नहीं था, मात्र अपना कार्मण शरीर लेकर आये थे, देह का निर्माण हुआ।
4. गर्भ में आत्मा अकेला आया, देह से भिन्न था, धीरे-धीरे देह का निर्माण हुआ। बढ़ती उम्र के साथ इस देह की इच्छाएँ, इसकी लम्बाई, चौड़ाई, इसकी आवश्यकताएँ सब बढ़ गईं।
5. पुद्गल को पुद्गल की आवश्यकता है। तुम्हें नहीं, तुम इससे भिन्न हो।
6. आयुष्य पूर्ण होगा पुद्गल-पुद्गल में समा जायेंगे। तुम यह देह छोड़कर अपना कार्मण शरीर लेकर अन्य गर्भ में जाओगे।
7. इन इन्द्रियों के समस्त रस इस देह के साथ खत्म होंगे। अगले भव में पुनः देह का निर्माण होगा। स्वाद अलग होंगे तुम इन सबसे भिन्न हो।
8. अय जीव! तुमने और हमने अनादि से अनेकों देह प्राप्त किये, उलझते गये, फंसते गये, क्योंकि अपने को देह मानते गये, अपने को इन्द्रियां मानते गये, मन को अपना माना, बुद्धि को अपना माना, इस नाम को अपना माना, इस लिंग को अपना माना। जाति को अपना माना, सारे मिथ्यात्व को पकड़ते गये, आज भी मिथ्यात्व पूर्ण रूप से नहीं छूटा। समझते हैं कि मैं आत्मा हूँ। देह से भिन्न हूँ, आसक्ति नहीं टूटी, मोहनीय कर्म आज भी शत्रु बनकर खड़ा है। आसक्ति को तोड़ दें। हाड़-मांस के पिंजरे से भिन्न हैं आप।
9. आपका जन्म नहीं। आपकी मौत भी नहीं। यात्रा कहां से प्रारंभ हुई ये आप और हम नहीं जानते, परंतु इतना निश्चित जानते हैं कि आप और हम किसी ने जन्म नहीं लिया। आप आत्मा, हम आत्मा, आप हमारी देह से भिन्न हैं। न आप भरत के हैं, न महाविदेह के हैं। आप आत्मा, हम आत्मा, सिद्धशिला के हैं।
10. न आप पुरुष हैं न हम पुरुष हैं। आत्मा का कोई लिंग नहीं, आप आत्मा , हम आत्मा, न हमारी लम्बाई अधिक है न आपकी कम है, आत्मा की न लम्बाई है न चौड़ाई है। जो आप हैं वही हम हैं। पुद्गलों से अपने को भिन्न करो, फिर आप और हम एक जैसे हैं।
11. देह की आसक्ति को छोड़ दो। आप आत्मा हैं, आप आत्मा हैं, देह से भिन्न आत्मा हैं। साढ़े तीन हाथ की इस काया में आप वजन नहीं हैं, वजन इस देह का है। ऐसे भिन्न हैं आप, आप आत्मा हैं, आप आत्मा हैं। आत्मा, आत्मा, आत्मा हैं। आप आत्मा हैं, आत्मा हैं, आत्मा हैं। स्थित हो जाओ।
12. आप आत्मा, देह से भिन्न आत्मा, ये आपका सत्य है, ये हमारा सत्य है। इस सत्य को आत्मसात् कीजिये। खुली आंखों से विवेक को बढ़ाइये। निर्णय आपका है। शेष जैसे आपकी आत्मा को सुख।

APPLE SILK MILLS PVT. LTD.
Manufacturers of:
EXCLUSIVE FANCY SAREES
TM. NO. 722412
Y-1185/86, Ground Floor, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-395 002
Ph:2322278, 2367868, 6611588,6611577.
www.applefashion.in
info: sales@applefashion.in
Apple FASHION

श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर
आचार्य सम्राट पूज्य
श्री शिवमुनिजी महाराज
के चरणों में शत शत वंदन

ASHOK - MANJU
PRACHI - SHETAL
& MEHTA FAMILY

Suchi INDUSTRIES LTD.

HOUSE OF WORLD CLASS EMBROIDERY

Corporate House :
SUCHI HOUSE
Near Kinnary Cinema, Ring Road,
SURAT-395 002. Gujrat (INDIA)
Ph.: +91-261-3201730, 2336968
Fax : +91-261-2313119
Website : www.suchifachion.com
E-mail : info@suchifachion.com

Factory :
Block No. 111, Kadodara Bardoli Road,
Village : Bagumara, Tal. Palsana
Dist. SURAT.
Tele. : 02622-324849

Postel Reg. No. : DL (N) 332/2015-2017
RNI No. DELBIL/2014/57576

।। श्री सीमंधर स्वामीने नमः ।।

आत्मज्ञानी सद्गुरु युगप्रधान

आचार्य सम्राट पूज्य श्री शिवमुनि जी म.सा. के

हीरक जन्म जयंती पर्व

पर आस्था पुरुष के चरणों में

कोटि–कोटि वन्दन–अभिनन्दन!

MAAN

Maan Aluminium Ltd.

ISO 9001-2008

Winner of Export Excellence Award

"**NIRYAT SHREE AWARD** by President of India"

Head Office :

4/51, 1st Floor, Asafali Road, New Delhi-110002

Contact : 011-40081800

E-mail : info@maanaluminium.in • Website : www.maanaluminium.com

Regards

Ravinder Nath Jain

Chairman and MD

Manufacturing

Plot No. 67/A, Sector No. 1,
Industrial Area, Pithampur,
Distt. Dhar (M.P.)

कोमल प्रकाशन, दिल्ली # मो.: 09210480385

स्वामी : अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रमण संघीय श्रावक समिति
एफ–3/20, रामाविहार, ओंकारधाम रोड, माजरी–करारा रोड़, दिल्ली–110081
मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक : श्री मुन्नालाल जैन, ए–3/120, सै. 5, रोहिणी, दिल्ली–110085,
मुद्रित : स्वास्तिक ऑफसेट एम–120, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032 द्वारा